

**पंचायतन** पुं. (तत्.) पाँच देवताओं की प्रतिमाओं का समुदाय; वह स्थान जहाँ पाँच देवों की प्रतिमाएँ हों।

**पंचायती** वि. (तत्.) 1. पंचायत का 2. पंचायत संबंधी 3. जिस पर किसी एक का नहीं, अनेक का अधिकार हो; जो सर्वसाधारण का हो 4. पंचायती राज जनता का राज, जनता के प्रतिनिधियों द्वारा संचालित शासन गणतंत्र।

**पंचारिका** स्त्री. (तत्.) 1. पचास छंदों वाली रचना या पुस्तक 2. पचास व्यक्तियों अथवा वस्तुओं का समूह।

**पंचारी** स्त्री. (तत्.) चौसर, शतरंज आदि की बिसात।

**पंचार्चि** पुं. (तत्.) बुध ग्रह।

**पंचाल** पुं. (तत्.) 1. ब्राह्मण ग्रंथों, उपनिषदों तथा पुराणों में उल्लिखित एक देश हिमालय तथा चंबल नदी के मध्य में स्थित (गंगा के दोनों ओर स्थित) 2. इस देश का निवासी 3. उस क्षेत्र या देश का राजा 4. एक ऋषि 5. महादेव 6. दक्षिण देश की एक जाति जिसके लोग लोहार तथा बढ़ई का काम करते हैं 7. एक प्रकार का सर्प 8. एक विषैला कीड़ा।

**पंचालिका** स्त्री. (तत्.) 1. पुतली, गुड़िया 2. नटी, नर्तकी 3. प्रेक्षा-भवन में दर्शकों के बैठने के लिए बना पाँच पक्तियों वाला स्थान।

**पंचाली** स्त्री. (तत्.) 1. पंचाल देश की पुत्री, द्रौपदी 2. पुतली, गुड़िया 3. एक प्रकार का गीत 4. शतरंज की बिसात।

**पंचावयव** वि. (तत्.) 1. पाँच अवयवों (अंगों) वाला। पुं. (तत्.) संयुक्त पाँच अवयवों प्रतिज्ञा, हेतु, उदाहरण, उपनय और निगमन वाला न्याय वाक्य।

**पंचावस्थ** वि. (तत्.) 1. पाँचवीं अवस्था; मृत अवस्था में पहुँचा हुआ, (शव) 2. पहले की क्रमिक चार अवस्था, शिशु, कुमार, युवा एवं वृद्ध के बाद की अवस्था को प्राप्त।

**पंचाविक** पुं. (तत्.) भेड़ आदि से प्राप्त होने वाले पाँच पदार्थ- दूध, दही, घी, पुरीष एवं मूत्र।

**पंचाश** वि. (तत्.) पचासवाँ।

**पंचाशत्** वि. (तत्.) 1. पचास 2. पचास (50) की संख्या।

**पंचाशिका** स्त्री. (तत्.) पचास वस्तुओं, व्यक्तियों या पंचों का समूह।

**पंचास** वि. (तद्.) पचास।

**पंचास्य** वि. (तत्.) 1. पंच+आस्य, पाँच मुख वाला पुं. शिव 3. सिंह।

**पंचाह** पुं. (तत्.) पाँच दिनों में होने वाला एक यज्ञ 2. पाँच दिनों का समूह 3. सोम याग के अंतर्गत वह कृत्य जो सुत्या के पाँच दिनों में किया जाता है।

**पंचिका** स्त्री. (तत्.) 1. पाँच अध्यायों, खंडों या विलासों वाली पुस्तक 2. पाँच गोटियों या सीपियों से खेले जाने वाला एक द्यूत या जुआ 3. खाता, बही या लेखा 4. रजिस्टर।

**पंचीकरण** पुं. (तत्.) वेदांत में पंचभूतों का विभाग विशेष।

**पंचीकृत** वि. (तत्.) 1. जिसका पंचीकरण किया गया हो या हुआ हो 2. दो समान भागों में बाँटे गए आकार आदि पाँच तत्वों में से प्रत्येक के प्रथमादर्धकोपुनः चारभागों में बाँटकर उन्हें अन्य तत्व के द्वितीयार्ध में मिलाने की क्रिया।

**पंचूरा** पुं. (देश.) बच्चों के खेलने के लिए बना हुआ मिट्टी का एक बरतन जिसके पेंदे में बहुत से छेद हों।

**पंचेंद्रिय** स्त्री. (तत्.) पाँच ज्ञानेंद्रियाँ अथवा पाँच कर्मेन्द्रियाँ।

**पंचेषु** पुं. (तत्.) जिसके पाँच बाण या शर हों, कामदेव।

**पंचोत्तर सौ** वि. (तत्.+तद्.) सौ से पाँच अधिक अर्थात् एक सौ पाँच की संख्या (105)।